

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

मास्क अवश्य लगायें
द्वार के गन्ध से एक भी व्यक्ति न दूरे
गन्ध उतार, यानी सुरक्षा से नक़ीत



आईआईटी भुवनेश्वर ने अपनी संपूर्ण भ्रातृत्व के लिए टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया

भुवनेश्वर: देश भर में कोविड -१९ मामलों की अभूतपूर्व वृद्धि को देखते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर ने उसके छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों के सदस्यों और उनके आश्रितों सहित उनके आउटसोर्स कर्मचारियों की सुरक्षा और सुरक्षा के लिए एक आदर्श वाक्य के साथ। सुरक्षा, हाउसकीपिंग, बागवानी आदि से घातक वायरस के खिलाफ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, सरकार के सक्रिय समर्थन से सभी चार स्लॉट में सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया। ओडिशा और शिक्षा मंत्रालय, सरकार। भारत की। टीकाकरण अभियान १५ मई, ७, १५ और १६ जून, २०२१ को भुवनेश्वर और खोरधा जिले में स्थित तीन अलग-अलग केंद्रों पर चलाया गया। टीकाकरण के बाद, कोई दुष्प्रभाव नहीं देखा गया और उसके बाद सभी छात्र और कार्यबल अपनी दिनचर्या में सामान्य रूप से कार्य कर सके।

प्रो. राजा कुमार ने कहा, ठसबसे पहले यह बिरादरी के हित में किया जाता है ताकि उन्हें घातक वायरस और इसके प्रकारों से बचाया जा सके। दूसरे यह शिक्षा में सामान्य स्थिति को जल्द से जल्द लाने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। हमने उन छात्रों को भी सलाह दी जो देश भर में अपने घरों से दूर हैं, वे जल्द से जल्द टीकाकरण करवाएं, उन्हें मिलता है। हम इस प्रयास में ओडिशा सरकार और शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त समर्थन को स्वीकार करते हैं। हमारे देश ने दुनिया में सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया है, महामारी को दूर करना सभी का कर्तव्य है और हम इस अभियान में शामिल होते हैं।

अपनी स्थापना के समय से, ध्ऊ भुवनेश्वर अपने छात्रों और उनके आश्रितों सहित अपने संपूर्ण कार्यबल (संकाय, अधिकारी, कर्मचारी, सुरक्षा, बागवानी और हाउसकीपिंग) की व्यापक चिकित्सा देखभाल और भलाई की पेशकश करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप रहा है। संस्थान पिछले सितंबर २०२० में ५ मामलों को छोड़कर पूरे अप्रैल तक परिसर को कोविड से बचा सकता है। मई-जून के दौरान, दूसरी लहर के कारण परिसर में कुछ मामले विकसित हुए हैं जिन्हें अच्छी तरह से संभाला जा रहा है। संख्या को नियंत्रण में रखने के लिए संस्थान के कोविड प्रिवेंशन टास्क फोर्स (सीपीटीएफ) द्वारा कड़े कदम उठाए गए।